बंजारा समुदाय

प्रसंग

हाल ही में, केंद्र सरकार ने बंजारा समुदाय के आध्यात्मिक और धार्मिक नेता संत सेवालाल महाराज की 284वीं जयंती के वर्ष भर चलने वाले समारोह की शुरुआत की।

मुख्य विशेषताएं:

- जनवरी 2023 में, प्रधान मंत्री ने कर्नाटक के कालाबुरगी जिले में बंजारा समुदाय के पांच परिवारों को हक्कू पत्र (भूमि शीर्षक विलेख) "प्रतीकात्मक रूप से वितरित" किया।

संत सेवालाल महाराज:

- संत सेवालाल महाराज का जन्म 15 फरवरी, 1739 को कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के सुरगोडनकोप्पा में हुआ था।
- ऐसा माना जाता है कि जब वे बाल्यअवस्था में थे , तो उन्होंने देवी जगदंबा को चढ़ाने के लिए मिट्टी और गेहूं की पुरी से चमत्कारिक रूप से शीरा (एक मिठाई) तैयार किया था।
- संत सेवालाल ने अपना जीवन आदिवासी वनवासियों और खानाबदोश जनजातियों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।
- उन्होंने बंजारों सहित आदिवासी समुदायों में प्रचलित मिथकों और अंधविश्वासों को दूर करने और मिटाने के लिए अथक प्रयास किया और उनके जीवन में सुधार के प्रयास किये ।
- संत सेवालाल महाराज आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में निपुण माने जाते हैं।
- कई लोगों का यह भी मानना है कि एक बार जब वह हैदराबाद चले गए, तो उन्होंने शहर में फैले हैजा को ठीक कर दिया और उन्हें वर्तमान बंजारा हिल्स क्षेत्र में अपने मवेशियों को चराने की अनुमति दी गई।
- संत सेवालाल का महाराष्ट्र में 33 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- आज, उन्हें बंजारा समुदाय द्वारा एक आध्यात्मिक गुरु और समाज सुधारक के रूप में सम्मानित किया जाता है।
- उनका मंदिर वाशिम जिले के मनोरा तालुका पोहरादेवी महाराष्ट्र में स्थित है , जिसे बंजारा काशी के नाम से भी जाना जाता है।

बंजारा समुदाय

- बंजारा, जिसे लम्बाडी, गौर राजपूत, लबाना के नाम से भी जाना जाता है, एक ऐतिहासिक रूप से खानाबदोश व्यापारिक जाति है, जो शायद राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र में उत्पन्न हुई हो।
- कर्नाटक में नाम बदलकर बनिजगारू कर दिया गया है।
- ये बहुभाषी हैं इनकी मातृभाषा 'बंजारी' है।
- वे अपने निवास स्थान के आधार पर उड़िया, हिंदी, तेलगु, तमिल, कन्नड़, मराठी आदि क्षेत्रीय भाषाओं में भी परिचित हैं क्योंकि वे व्यापार के लिए यहां और वहां जाते हैं।

हक्कू पात्रा

- हक्कू पत्र संपत्ति के स्वामित्व का एक दस्तावेज है जिसके द्वारा धारक को जमीन का मालिकाना हक मिल जाता है।
- इस दस्तावेज़ की मदद से धारक सरकार द्वारा दी गई भूमि को खरीदने और बेचने के लिए पात्र है।
- वे आगे हक्कू पत्र के माध्यम से बैंक लाभ प्राप्त करेंगे।
- • यह हक्कू पत्र कलाबुरगी, बीदर, यादगिरी, रायचूर और विजयपुरा

	जिलों में "थंडास" (लंबानी आवास) में रहने वाले हजारों लोगों के भविष्य को सुरक्षित करेगा।

सरकारी प्रतिभूतियां (जी-सेक)

प्रसंग

हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रतिभूति उधार बाजार में व्यापक भागीदारी की सुविधा के लिए सरकारी प्रतिभूतियों में प्रतिभूति ऋण देने और उधार लेने की शुरुआत का प्रस्ताव करते हुए एक मसौदा जारी किया।

मुख्य विशेषताएं:

- इस पहल का उद्देश्य भारत में सरकारी प्रतिभूति बाजार की गहराई और तरलता को बढ़ाना है।
- यह मसौदा मानदंड सरकारी प्रतिभूति ऋण (जीएसएल) लेनदेन दिशानिर्देशों को संदर्भित करता है ।
- ये दिशानिर्देश निर्धारित करते हैं कि ऐसे लेन-देन की न्यूनतम अवधि एक दिन और अधिकतम 90 दिनों की होनी चाहिए।

सरकारी प्रतिभूतियां (जी-सेक)

- सरकारी प्रतिभूतियां (G-Secs) केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा जनता से अपने वित्तीय घाटे को वित्तपोषित करने के लिए धन उधार लेने के लिए जारी किए गए व्यापार योग्य ऋण साधन हैं।
- ये प्रतिभूतियाँ धारक को एक निश्चित तिथि पर मूलधन या अंकित मूल्य नामक एक निश्चित राशि का भुगतान करने के लिए एक संविदात्मक दायित्व का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- वे अल्पकालिक हो सकते हैं, एक वर्ष से कम की मूल परिपक्वता के साथ, या एक वर्ष या उससे अधिक की मूल परिपक्वता के साथ दीर्घकालिक हो सकते हैं।
- भारत में, केंद्र सरकार ट्रेजरी बिल और बॉन्ड दोनों जारी करती है जबकि राज्य सरकारें केवल बॉन्ड जारी करती हैं, जिन्हें राज्य विकास ऋण कहा जाता है।
- सरकारी प्रतिभूतियाँ (जी-सेक) चार प्रकार की होती हैं: ट्रेजरी बिल (टी-बिल), नकद प्रबंधन बिल (सीएमबी), दिनांकित जी-सेक, और राज्य विकास ऋण (एसडीएल)।
- • आरबीआई के ओपन मार्केट ऑपरेशंस (ओएमओ) में सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) की बिक्री या खरीद शामिल है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम - किसान)

प्रसंग

हाल ही में, भारत के प्रधानमंत्री ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम-किसान योजना के तहत लगभग 16,800 करोड़ रुपये की 13वीं किस्त हस्तांतरित की।

मुख्य विशेषताएं:

- इसे देश भर के 8 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से स्थानांतरित किया गया था।

लाभार्थी :

- भूमिधारी किसान परिवार जिनके नाम खेती योग्य भूमि है, इस योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं।

- इस योजना से 3 करोड़ से अधिक महिला लाभार्थी भी लाभान्वित हुए हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से 53,600 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि प्राप्त हुई है।
- योजना के तहत 11वीं और 12वीं किस्त पिछले साल मई और अक्टूबर में दी गई थी.

पीएम-किसान के बारे में:

- इसे फरवरी 2019 में लॉन्च किया गया था।
- यह भारत सरकार से 100% वित्त पोषण के साथ एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।
- यह कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

विशेषताएं

- योजना के तहत, केंद्र तीन समान किश्तों में 6,000 रुपये प्रति वर्ष की राशि हस्तांतरित करता है।
- यह सभी भूमिधारक किसानों के बैंक खातों में सीधे जाता है चाहे उनकी भूमि का आकार कुछ भी हो।
- यह योजना परिवार को पति, पत्नी और नाबालिग बच्चों के रूप में परिभाषित करती है।
- लाभार्थियों की पहचान: लाभार्थी किसान परिवारों की पहचान की पूरी जिम्मेदारी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सरकारों की है।

- शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के किसान।
- छोटे और सीमांत किसान परिवार।

• बहिष्करण श्रेणियाँ:

- संस्थागत भूमिधारक।
- राज्य / केंद्र सरकार साथ ही पीएसयू और सरकारी स्वायत्त निकाय के वर्तमान या सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी।
- उच्च आर्थिक स्थिति वाले लाभार्थी इसके पात्र नहीं हैं।
- जो आयकर का भुगतान करते हैं।
- संवैधानिक पदों पर आसीन किसान परिवार।
- डॉक्टर, इंजीनियर और वकील जैसे पेशेवर।
- 10,000 रुपये से अधिक मासिक पेंशन वाले सेवानिवृत्त पेंशनभोगी।

उद्देश्य:

- पात्र किसान परिवारों को सभी भूमि धारकों को आय सहायता प्रदान करना।
- विभिन्न आदानों की खरीद में छोटे और सीमांत किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए।
- उन्हें ऐसे खर्चों को पूरा करने के लिए साहूकारों से बचाने के लिए और खेती की गतिविधियों में उनकी निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए।

मैड काऊ रोग

प्रसंग

देश के कृषि और पशुधन मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी राज्य पारा में मैड काऊ रोग की पुष्टि के बाद ब्राजील ने चीन को अपने गोमांस निर्यात को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

मैड काऊ रोग:

- :मैड काऊ रोग, जिसे बोवाइन स्पॉन्जिफॉर्म

लक्षण:

- रोग स्नायविक लक्षणों की ओर जाता है।

एन्सेफैलोपैथी (बीएसई) के रूप में भी जाना जाता है, एक घातक और धीरे-धीरे बढ़ने वाला संक्रमण है जो वयस्क मवेशियों के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है।

संचरण का मार्ग

- यह अपक्षयी है और दूषित मांस उत्पादों का सेवन करने वाले मनुष्यों को प्रेषित किया जा सकता है।
- यह एक गाय को तब प्रभावित करता है जब वह ऐसा चारा खाती है जो बीएसई से संक्रमित किसी अन्य गाय के अंगों से दूषित हो

है।

- गाय को चलने और खड़े होने में कठिनाई होती है।
- गाय घबराहट या आक्रामकता के लक्षण भी दिखा सकती है।
- ये लक्षण आमतौर पर तब प्रकट होते हैं जब गाय रोग के अंतिम चरण में होती है।

इलाज:

- रोग की अवधि दो सप्ताह से छह महीने तक हो सकती है।
- बीएसई के लिए कोई इलाज नहीं है, और संक्रमित गायों को आमतौर पर अन्य गायों और मनुष्यों में बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए मार दिया जाता है।
- इसका कोई ज्ञात उपचार नहीं है और इसे रोकने के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं

हीट वेव

प्रसंग:

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिम, पश्चिम और मध्य भारत में अधिकतम तापमान दीर्घकालिक औसत से 3-5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा।

मुख्य विशेषताएं:

- 21 फरवरी को ही, राष्ट्रीय राजधानी ने 5 दशकों से अधिक समय में अपना तीसरा सबसे गर्म फरवरी दिन (33.6 डिग्री सेल्सियस) दर्ज किया।
- इससे पहले, आईएमडी ने कच्छ और कोंकण क्षेत्रों में हीट वेव की चेतावनी दी थी, ।

हीट वेव्स की उत्पत्ति:

- हीट वेव्स दो कारणों में से एक के कारण होती हैं: या तो गर्म हवा दूसरे क्षेत्र से बह रही है, या कुछ स्थानीय स्तर पर हीट वेव का जन्म ।
- स्थानीय तापन 2 तरीकों से हो सकता है: गर्म भूमि की सतह के तापमान के माध्यम से, जो हवा को सीधे उसके ऊपर गर्म करता है, या ऊपर से नीचे धंसने वाली हवा के संपीड़न के माध्यम से, जो सतह के करीब गर्म हवा उत्पन्न करता है।
- नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित एक अध्ययन हीट वेव के

4. वसंत ऋतु में, ऊपरी वायुमंडलीय पछुआ हवाएँ जो अटलांटिक महासागर से भारत की ओर चलती हैं, निकट-सतही हवाओं को नियंत्रित करती हैं।

- ▪ जब भी हवाएं पश्चिम से पूर्व की ओर चलती हैं, तो वे उस ग्रह से भी तेज चलती हैं, जो पश्चिम से पूर्व की ओर घूमता है।
- ▪ इस गति के लिए सतह के घर्षण के विरुद्ध चलने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जो ऊपर से नीचे उतरती हवा द्वारा प्रदान की जाती है।
- ▪ हवा का यह दबाव जैसे-जैसे नीचे आता है गर्म

निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओ के सन्दर्भ में कुछ साक्ष्य प्रस्तुत करता है।

- निम्नलिखित स्पष्टीकरण अध्ययन के निष्कर्षों को भारतीय संदर्भ में अनुकूल बनाता है।

1. वसंत में, भारत में आम तौर पर हवा पश्चिम से उत्तर पश्चिम की ओर बहती है।

जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में, भूमध्य रेखा के समान अक्षांशों में अन्य क्षेत्रों की तुलना में मध्य पूर्व तेजी से गर्म हो रहा है, और भारत में बहने वाली गर्म हवा के स्रोत के रूप में कार्य करता है।

2. इसी प्रकार, जब हवा उत्तर-पश्चिम से बहती है, तो यह अफगानिस्तान और पाकिस्तान के पहाड़ों के ऊपर से गुजरती है, जिससे इन पहाड़ों के पवनविमुख पक्ष पर कुछ दबाव पड़ता है।

3. महासागरों के ऊपर बहने वाली हवा से ठंडी हवा आने की उम्मीद है, क्योंकि भूमि महासागरों की तुलना में तेजी से गर्म होती है (क्योंकि भूमि की ताप क्षमता बहुत कम है)।

हालांकि, अरब सागर अधिकांश अन्य महासागर क्षेत्रों की तुलना में गर्म होने की तेज दर का अनुभव कर रहा है, जिसका अर्थ है कि इसके ऊपर बहने वाली हवा अपेक्षित शीतलन प्रभाव प्रदान नहीं कर सकती है।

होता है और कुछ ऊष्मा तरंगें उत्पन्न करता है।

5. ह्रास दर: वह दर जिस पर तापमान सतह से ऊपरी वायुमंडल तक ठंडा होता है - ग्लोबल वार्मिंग के तहत घट रहा है।

▪ इसका मतलब है कि सतह के पास की हवा की तुलना में ऊपरी वातावरण तेजी से गर्म हो रहा है।

▪ इस प्रकार, डूबती हुई हवा जो ग्लोबल वार्मिंग के कारण गर्म होती है, जब यह डूबती है और सिकुड़ती है तो गर्मी की लहरें पैदा करती है।

• इन प्रक्रियाओं को देखते हुए और ग्लोबल वार्मिंग उन्हें कैसे प्रभावित करता है, यह स्पष्ट है कि एक दशक में एक बार होने वाली गर्मी की लहरें अधिक लगातार और तीव्र क्यों हो जाती हैं।

• एल नीनो और ला नीना की घटनाएं इन गर्म तरंगों को भी प्रभावित करती हैं। ध्यातव्य हो कि हाल के समय में ला नीना तथा एल नीना की घटनाओ में वृद्धि होती है।

संक्षिप्त सुर्खियां

एक्सरसाइज कोबरा वरियर

प्रसंग

भारतीय वायु सेना यूके के वाडिंगटन में अभ्यास कोबरा वारियर में भाग लेगी।

मुख्य विशेषताएं:

- यूनाइटेड किंगडम में रॉयल एयर फ़ोर्स के वाडिंगटन एयर फ़ोर्स बेस में 145 वायु योद्धाओं वाली एक भारतीय वायु सेना की टुकड़ी कोबरा वॉरियर अभ्यास में भाग लेगी।
- अभ्यास कोबरा वारियर एक बहुपक्षीय हवाई अभ्यास है।
- फ़िनलैंड, स्वीडन, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त राज्य अमेरिका और सिंगापुर

की वायु सेनाएँ भी रॉयल एयर फ़ोर्स और IAF के साथ भाग लेंगी।

- भारतीय वायु सेना इस वर्ष पांच मिराज 2000 लड़ाकू विमानों, दो सी-17 ग्लोब मास्टर III और एक आईएल-78 हवा में ईंधन भरने वाले विमान के साथ अभ्यास में भाग ले रही है।
  - इस अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न लड़ाकू विमानों की व्यस्तताओं में भाग लेना और विभिन्न वायु सेना के सर्वोत्तम अभ्यासों से सीखना है

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण

प्रसंग

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के अधिकारियों के अनुसार भारत ने 2023 में दो महीने के भीतर पहले ही 30 बाघों की मृत्यु हुई है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के बारे में:

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक सांविधिक निकाय है।
- एनटीसीए की स्थापना वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत की गई थी।

एनटीसीए के उद्देश्य

- प्रोजेक्ट टाइगर को वैधानिक अधिकार प्रदान करना ताकि उसके निर्देशों का अनुपालन किया जा सके
- हमारे संघीय ढांचे के भीतर राज्यों के साथ समझौता ज्ञापन के लिए आधार प्रदान करके टाइगर रिजर्व के प्रबंधन में केंद्र-राज्य की जवाबदेही को बढ़ावा देना।
- संसद द्वारा निगरानी प्रदान करना।
- टाइगर रिजर्व के आसपास के क्षेत्रों में स्थानीय लोगों की आजीविका के हितों को संबोधित करना।

जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति

सन्दर्भ

बायो सीड रिसर्च इंडिया, हैदराबाद को हिसार, हरियाणा में खरीफ सीजन के दौरान पिंक बॉलवर्म के खिलाफ प्रतिरोध के लिए जैव सुरक्षा अनुसंधान स्तर -1 (BRL-1) परीक्षण करने के लिए, GEAC, भारत के बायोटेक नियामक निकाय से अनुमोदन प्राप्त हुआ।

❖ जीईएसी के बारे में:

- जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) पर्यावरण, वन और

	जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) के तत्वाधान में कार्य करती है। • नियम, 1989 के अनुसार, यह पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन में बड़े पैमाने पर खतरनाक सूक्ष्मजीवों और पुनः संयोजकों के उपयोग से जुड़ी गतिविधियों के मूल्यांकन के लिए उत्तरदायी है। • समिति प्रयोगात्मक क्षेत्र परीक्षणों सहित पर्यावरण में आनुवंशिक रूप से इंजीनियर (जीई) जीवों और उत्पादों को जारी करने से संबंधित प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए भी उत्तरदायी है। • GEAC की अध्यक्षता MoEF&CC के विशेष सचिव/अपर सचिव और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) के एक प्रतिनिधि द्वारा सह-अध्यक्षता की जाती है। ▪ • वर्तमान में, इसके 24 सदस्य हैं और ऊपर बताए गए क्षेत्रों में आवेदनों की समीक्षा करने के लिए हर महीने इसकी बैठक होती है।
अग्निपथ योजना	**प्रसंग** दिल्ली उच्च न्यायालय ने अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। **मुख्य विशेषताएं:** • दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने कहा कि अग्निपथ योजना "राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर एक नीतिगत निर्णय" थी, और इसमें हस्तक्षेप करने के कारण नहीं मिले। अग्निपथ योजना, जिसका अनावरण पिछले वर्ष किया गया था, सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए नियम निर्धारित करती है। • योजना के तहत, लगभग 46,000 सैनिकों को "अग्निवीर" के रूप में जाना जाता है - जिन्हें अल्पकालिक अनुबंध के आधार पर चार साल की अवधि के लिए तीन सेवाओं (सेना, वायु सेना और नौसेना) में भर्ती किया जाएगा। • कुल वार्षिक भर्तियों में से केवल 25 प्रतिशत को स्थायी आयोग के तहत अगले 15 वर्षों तक सेवा में बने रहने की अनुमति दी जाएगी। • इस कदम का उद्देश्य देश में 13 लाख से अधिक सशस्त्र बल कर्मियों के लिए स्थायी बल के स्तर को कम करना है। • इससे रक्षा पेंशन बिल में काफी कमी आएगी, जो वर्षों से सरकारों के लिए चिंता का विषय रहा है।
माया सभ्यता	**प्रसंग** हाल ही में, मैक्सिकन राष्ट्रपति इंटरनेट मजाक का विषय बन गए जब उन्होंने

दावा किया कि रात में एक पेड़ की धुंधली, काली तस्वीर माया पौराणिक कथाओं से एक आकृति दिखाती है, जैसा कि माया सभ्यता से एक ऐतिहासिक मूर्तिकला में दर्शाया गया है।

मुख्य विशेषताएं:

- बड़ी माया सभ्यता (जो 300 ईस्वी से 900 ईस्वी के बीच अपने चरम पर पहुंच गई) को अपने समय में महत्वपूर्ण सांस्कृतिक महत्व के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- यह खेती, पत्थर की वास्तुकला, गणित और खगोल विज्ञान के अध्ययन, कैलेंडर तैयार करने, साथ ही धार्मिक अनुष्ठानों के हिस्से के रूप में बड़े पैमाने पर मानव बलिदानों में अपने नवाचारों के लिए भी जाना जाता है।
- यह मध्य अमेरिका में वर्तमान मैक्सिको, होंडुरास और ग्वाटेमाला तक फैला हुआ है।
- युकाटा, मेक्सिको की खाड़ी पर मेक्सिको में एक प्रायद्वीप, में महत्वपूर्ण माया स्थल हैं।
- माया जाति के लोग आज भी इनमें से कुछ क्षेत्रों में निवास कर रहे हैं।
- हालांकि स्पेनिश उपनिवेशीकरण या हिस्पैनिक काल के बाद के समय के साथ स्वदेशी भाषा बोलने वाले और पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करने वाले लोगों की संख्या में गिरावट आई है।
- **अलक्स:** माया पौराणिक कथाओं के अनुसार, अलक्स छोटे, शरारती जीव होते हैं जो जंगलों और खेतों में रहते हैं और लोगों पर चालें खेलते हैं, जैसे चीजों को छिपाना।
- इसमें कहा गया है कि कुछ लोग उन्हें प्रसन्न करने के लिए छोटे-छोटे प्रसाद छोड़ जाते हैं।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare